भारत सरकार

वस्त्र मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या : *244

29 अगस्त, 2012 को उत्तर दिए जाने के लिए

जैविक वस्त्रों हेतु राष्ट्रीय प्रमाणन मानक

***244. श्री ए. इलावरासन:**

क्या **वस्त्र मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने यूरोप और जापान सहित प्रमुख बाजारों में जैविक वस्त्रों की मांग बढ़ाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय प्रमाणन मानक शुरू किये हो;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भारतीय जैविक वस्त्र मानक (आई एस ओ टी) को राष्ट्रीय जैविक उत्पाद कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल किया जाएगा जो कि मंत्रालय द्वारा प्रशासित एक वैधानिक व्यवस्था है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या आई एस ओ टी की शुरुआत करते हुए, भारत ने वैश्विक जैविक वस्त्र मानक की लम्बे समय से चली आ रही स्थिति को ध्यान में रखा है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वस्त्र मंत्री (श्री आनंद शर्मा)

(क) से (च): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है ।

<u>श्री ए. इलावरासन, संसद सदस्य द्वारा 'जैविक वस्त्रों हेतु राष्ट्रीय प्रमाणन मानक' के बारे में पूछे गए दिनांक 29.08.2012 के तारांकित प्रश्न सं. *244 के भाग (क) से (च) तक के उत्तर में उल्लिखित विवरण</u>

(क) से (ख) : जी हां । सरकार ने जैविक वस्त्रों के लिए भारतीय मानकों निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए शुरू किए हैं:

- वस्त्रों और अपैरल में प्रसंस्करण एवं लेबलिंग के माध्यम से जैविक कपास की खेती एवं कटाई के स्तर से ही फाइबर के 'जैविक' स्तर की सत्यता को सुनिश्चित करना;
- प्रयुक्त फाइबर की जैविक प्रकृति का आश्वासन प्रदान करना और यह सूचित करना कि विनिर्माण की प्रक्रिया सामाजिक एवं पर्यावरण रूप से ठीक प्रकार से संपन्न की गई है ।

(ग) से (घ) : जैविक वस्त्रों के लिए भारतीय मानकों को, जैविक उत्पादों हेतु राष्ट्रीय संचालन समिति द्वारा मई 2012 में अनुमोदन के उपरांत जैविक उत्पादन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम में शामिल करने के लिए अंगीकार किया गया है। आईएसओटी को आधिकारिक रूप से 30 जुलाई, 2012 को शुरू किया गया था।

(ड.) से (च) : जी हां, जैविक वस्त्रों हेतु भारतीय मानकों को शूरू करने में भारत ने जैविक वस्त्र मानकों की स्थापित वैश्विक परंपरा का ध्यान रखा है । जैविक वस्त्रों के लिए भारतीय मानकों में जैविक फाइबर की खेती एवं उत्पादन से लेकर विनिर्माण, प्रसंस्करण, पैकिंग, लेबलिंग तथा जैविक वस्त्रों का संवितरण शामिल है और प्रत्येक स्तर को प्रमाणन तथा खोजबीन प्रक्रिया के द्वारा सशक्त बनाया गया है। जैविक वस्त्रों के लिए भारतीय मानकों को शुरू करके भारत ने जैविक वस्त्र मानकों की स्थापित वैश्विक परंपरा का स्थान ले लिया है ।